लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....
दिनांक....23.11.2019.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....1-5....

एचएयू • सोशियो डिजिटल एपरोचीज़ फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर तीन दिवसीय संगोष्ठी संपन्न

11 वैज्ञानिक यूथ अवॉर्ड से सम्मानित

किसानों की जरूरतों को समझकर सामूहिक स्तर पर करना होगा कार्यः डॉ. त्रिवेदी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि आरएयू, पूसा बिहार के पूर्व कुलपति एवं आईएसईई के स्थापना सदस्य डॉ. जी त्रिवेदी रहे। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अध्यक्ष डॉ. यू. एस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

डॉ. त्रिवेदी ने संबोधित करते हुए बताया कि इस संगोष्ठी के माध्यम से देश के कृषि विस्तार विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को नई दिशा व प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विस्तार विशेषज्ञों को अपने कार्यक्षेत्र में काम करते समय किसानों की जरूरतों को समझकर सामूहिक स्तर पर कार्य करना होगा। उन्हें कृषि क्षेत्र की अच्छी से अच्छी तकनीक को किसानों तक पहुंचाने के लिए मेहनत करनी होगी।

उन्होंने कहा कि युवा किसानों को खेतीबाड़ी से सम्बन्धित ज्ञान को अर्जित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों से जुड़े रहने के साथ-साथ मोबाइल एप, यू-ट्यूब तथा किसान मोबाइल एप से भी नवीनतम जानकारी लेते रहनी होगी। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कृषि को लाभप्रद बनाने के लिए लगातार शोध होने चाहिए।

एचएयू में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में उपस्थित अतिथि।

संगोष्ठी में सात विभिन्न अवॉर्ड देकर किया सम्मानित

• डॉ. के.एन. सिंह मेमोरियल अवॉर्ड • डॉ. एस.एन. सिंह • डॉ. ओ.पी. धामा मेमोरियल अवॉर्ड • डॉ. पीतांबर स्वैन • डॉ. जी.एस. विद्यारती अवॉर्ड • डॉ. डी.डी. शर्मा • प्रो. वाई.पी. सिंह मेमोरियल अवॉर्ड • डॉ. हेमा त्रिपाठी।

500 शोधार्थियों व विशेषज्ञों ने 12 थीमों पर दी प्रस्तुति

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अध्यक्ष डॉ. यू. एस गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों, एवं शोध छात्रों ने डिजिटल रणनीति और सतत कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण, विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार, कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण में प्रगति, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण, आर्थिक समृद्धि के लिए अभिसरण मॉडल, कृषि में उद्यमिता विकास के लिए रणनीतियां, जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, ग्रामीण समुदायों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पहल, डिजिटल मार्केटिंग में चुनौतियां और अवसर, कृषि में लैंगिक मुद्दों के समाधान के लिए तंत्र आदि विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कृषि योजना आयोग के पूर्व सलाहकार डॉ. वी.वी. सदामते, विस्तार शिक्षा यूएएस बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. वीरभदरिया, एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, विस्तार शिक्षा के विभागाध्यक्ष डॉ. जेएस मलिक उपस्थित थे।

एचएयू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में उपस्थित वैज्ञानिक।

इन्हें मिले आईएसईई फैलो अवॉर्ड

फैलो अवॉर्ड : डॉ. एस.के झा, डॉ. जितेन्द्र चौहान, डॉ. अलोक कुमार, डॉ. पी.के. चहल, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. एस.के. बडोडिया, डॉ. हरीश वर्मा, डॉ. रीतू सिंह, डॉ. बी.एस. घनघस, डॉ. सूबे सिंह, डॉ. अजीत सिंह।

बेस्ट केवीके वैज्ञानिक अवॉर्ड

अवॉर्ड : डॉ. सर्वेश त्रिपाठी, डॉ. जोगिन्द्र सिंह तोमर, डॉ. ईश्वर सिंह, डॉ. एस.एस. कौशिक, डॉ. देवेन्द्र स्वरूप, डॉ. आनन्द कुमार तिवारी, डॉ. एस.के. तोमर, डॉ. आर.एन. जाट, डॉ. गुरु प्रेम ग्रोवर, डॉ. अजीत कुमार सिंह।

युवा वैज्ञानिक अवॉर्ड

: डॉ. सितारा बालन वी, डॉ. दीपा राय, डॉ. एन. मंजुला, डॉ. वाई.एस. जाडोन, डॉ. एन.आर. मीणा, डॉ. ईला रानी, डॉ. यूके चिनचोलालपुरे, डॉ. राम सिंह, डॉ. जेएस गिल, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. वन्दना वर्मा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 23.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-4

कृषि संबंधित जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े सभी किसान : डा. त्रिवेदी

- मोबाइल एप, यू-ट्यूब व सोशल मीडिया पर अपडेट रहें किसान
- हकृवि में आयोजित सैमीनार हुआ समापन

मंच पर मौजूद वैज्ञानिक व मुख्यातिथि।

हिसार, 22 नवम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोशियो डिजीटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्यातिथि आर.एस. पूसा बिहार के पूर्व कुलपति एवं स्थापना सदस्य आई.एस.ई.ई. से डा. जी. त्रिवेदी थे।

उत्तर प्रदेश बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं भारतीय विस्तार शिक्षा समिति नई दिल्ली के अध्यक्ष डा. यू.एस. गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। डा. त्रिवेदी ने सम्बोधित करते हुए बताया कि इस संगोष्ठी के माध्यम से देश के कृषि विस्तार विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को नई दिशा व प्रेरणा मिलेगी।

इसके अलावा किसानों को व्यक्तिगत तौर पर व सामूहिक स्तर पर कार्य करना होगा। इसके अलावा उन्होंने आह्वान किया कि युवा किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित ज्ञान को अर्जित करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों से जुड़े रहने के साथ-साथ मोबाइल एप, यू-ट्यूब तथा किसान मोबाइल एप से भी नवीनतम जानकारी लेते रहनी होगी।

डा. यू.एस. गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों एवं शोध छात्रों ने डिजीटल रणनीति और सतत् कृषि विकास के लिए अनेक शोध किए हैं। इस अवसर पर पूर्व सलाहकार कृषि योजना आयोग डा. वी.वी. सदामते, पूर्व निदेशक विस्तार शिक्षा, यू.ए.एस. बैंगलुरू, डा. वीरभदरिया, निदेशक विस्तार शिक्षा, हकृवि, डा. आर.एस. हुड्डा, विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा व डा. जे.एस. मलिक उपस्थित थे।

इन वैज्ञानिकों को मिले अवार्ड

- डा. के.एन. सिंह मैमोरियल अवार्ड
डा. एस.एन. सिंह
डा. ओ.पी. धामा मैमोरियल अवार्ड
डा. पीताम्बर स्वैन
- डा. जी.एस. विद्यारती अवार्ड
डा. डी.डी. शर्मा
- प्रो. वाई.पी. सिंह मैमोरियल अवार्ड
डा. हेमा त्रिपाठी

आई.एस.ई.ई. फैलो अवार्ड

डा. एस.के.झा, डा. जितेंद्र चौहान, डा. अलोक कुमार, डा. पी.के. चहल, डा. राजीव कुमार सिंह, डा. एस.के. बडोडिया, डा. हरीश वर्मा, डा. रीतू सिंह, डा. बी.एस. घनघस, डा. सूबे सिंह व डा. अजीत सिंह।

बैस्ट के.वी.के. वैज्ञानिक अवार्ड

डा. सर्वेश त्रिपाठी, डा. जोगिन्द्र सिंह तोमर, डा. ईश्वर सिंह, डा. एस.एस. कौशिक, डा. देवेंद्र स्वरूप, डा. आनंद कुमार तिवारी, डा. एस.के. तोमर, डा. आर.एन. जाट, डा. गुरु प्रेम ग्रोवर व डा. अजीत कुमार सिंह।

युवा वैज्ञानिक अवार्ड

डा. सितारा बालन वी., डा. दीपा राय, डा. एन. मंजुला, डा. वाई.एस. जाडोन, डा. एन.आर. मीणा, डा. ईला रानी, डा. यू.के. चिनचोनालापूरे, डा. राम सिंह, डा. जे.एस. गिल, डा. पंकज कुमार, डा. वंदना वर्मा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 23.11.2019 पृष्ठ सं: 16 कॉलम: 1-8

पांच वर्षों में कई नौ लखा किसान तैयार, पांच गुना तक बढ़ी आय

विशेषज्ञों का पैनल सरकार के साथ करेगा काम

जागरण संवाददाता, हिसार : केन्द्र सरकार जब 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प लेकर आई, इस कॉन्सेप्ट पर कई लोगों ने विश्वास नहीं किया। मगर आपको पता है कि किसानों की आय दोगुना नहीं बल्कि पांच गुना तक की जा सकती है। बशर्ते किसान नए तरीके से आगे बढ़ें। दरअसल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडियन सोसायटी फॉर एक्सटेंशन एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार को समापन हुआ। सोसाइटी के अध्यक्ष व बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. यूएस गौतम बताते हैं कि कांफ्रेंस में देशभर से आए वैज्ञानिकों ने ऐसे किसानों के उदाहरण पेश किए। जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में एक-एक एकड़ में लाखों रुपये की आय की। यह किसान नई तकनीकों और शिक्षा की मदद से नए प्रोडक्ट तैयार कर रहे हैं और उनकी पैकेजिंग व मार्केटिंग भी खुद कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने इन किसानों को नौ लखा या 11 लाखा किसान नाम दिया है। देशभर से ऐसे किसानों के उदाहरण को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि इस आधार पर खेती की जाए तो किसानों की आय पांच गुना तक बढ़ सकती है।

आइएसईई ने तय की सिफारिशें, सरकार को देंगे: इंडियन सोसायटी फॉर एक्सटेंशन एजुकेशन द्वारा की गई सिफारिशों में इन उदाहरणों को भी शामिल किया गया है ताकि इनके आधार पर कुछ गांव, कुछ जिले या कोई प्रदेश कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सके। यह सिफारिशें सोसाइटी के पदाधिकारी राज्य व भारत सरकार को भी भेजेंगे। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 23 राज्यों से 500 विशेषज्ञ व वैज्ञानिक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस तरह से आय हो सकती है पांच गुना

- देश में विदेशों की तर्ज पर फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी तैयार की जाए जो आपस में मिलकर प्रोडक्ट तैयार करें और उसकी मार्केटिंग भी करें।
- किसानों के कुछ गांवों के समूहों को कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए और फाइनेंस की सुविधा भी मिले ताकि वह रोजगार स्थापित कर सकें।
- कॉपरेटिव सोसायटी बनाकर भी किसानों को विशेष प्रोजेक्ट में एक साथ लिया जा सकता है।
- डिजिटल प्लेटफार्म की अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए।
- किसानों द्वारा खेती को आसान बनाने वाले आविष्कारों को संस्थागत तरीके से अपनाया जाना आवश्यक है।

कृषि में महिलाओं के लिए फ्रेंडली मशीनें हों तैयार, जो उन्हें काम के साथ दें आराम

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय विस्तार शिक्षा समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार को समापन हुआ। तीन दिन तक कृषि के क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों एकत्रित कर ज्यूरी ने करीब 24 सिफारिशें फाइनल की हैं। इनमें सबसे प्रमुख है कि विशेषज्ञों ने कहा है कि कृषि के क्षेत्र में अक्सर नई मशीनें पुरुषों को देखते हुए बनाई जाती हैं। इसको लेकर समिति सरकार को सिफारिश करेगी कि महिलाओं को ध्यान में रखते हुए मशीनों का निर्माण किया जाए, ताकि महिलाओं को काम करने में आसानी हो और उन्हें थकान कम हो। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए स्किल इंडिया के तहत ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाने की सिफारिश भारत सरकार को की जा रही है। मोबिलाइजिंग डिजिटल एप्रोचेज फॉर ट्रांसफोर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर मुख्य अतिथि आएएयू, पूसा बिहार के पूर्व कुलपति एवं स्थापना सदस्य आईएसईई, डॉ. जी त्रिवेदी, जबकि बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के कुलपति एवं अध्यक्ष, भारतीय विस्तार शिक्षा समिति डा. यूएस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

संगोष्ठी में उपस्थित वैज्ञानिक। • विज्ञप्ति

विस्तार शिक्षा समिति ने यह सिफारिशें की फाइनल

- डिजिटल मीडिया को अधिक से अधिक कृषि के क्षेत्र में बढ़ाया जाए ताकि कम समय में किसानों के पास जानकारी पहुंचे।
- भारत सरकार द्वारा जो योजनाएं व कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं वह लांच होने के बाद सीमित ही रहते हैं, कृषि विभाग के माध्यम से इनका प्रचार प्रसार गांव-गांव में कराया जाना चाहिए।
- महिला व युवाओं को ध्यान में रखकर ऐसे कार्यक्रम तैयार करने चाहिए जो उन्हें खेती से जोड़ें।
- किसानों के प्रोडक्ट की मार्केटिंग से संबंधित सूचनाएं केवीके या विभाग समय पर मुहैया कराएं।
- इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम विकसित किया जाए ताकि किसानों को जनवरी से दिसंबर तक मुख्य फसलों के अलावा दूसरी चीजें उगाकर कमाई करें।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

एक साथ सभी माध्यमों को आना होगा साथ डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से देश के कृषि विस्तार विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को नई दिशा व प्रेरणा मिलेगी। कृषि विस्तार विशेषज्ञों को अपने कार्यक्षेत्र में काम करते हुए किसानों की जरूरतों को समझते हुए कार्य करना होगा इसके इलावा किसानों को व्यक्तिगत तौर पर व सामूहिक स्तर पर कार्य करना होगा। उन्हें कृषि क्षेत्र की अच्छी से अच्छी तकनीक को किसानों तक पहुंचाने के लिए मेहनत करनी होगी।

मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि। • विज्ञप्ति

12 सेशन में 500 वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किया कृषि विकास का मॉडल

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यूएस गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों ने 12 सेशन में कृषि विकास के मॉडल प्रस्तुत किए। शोध छात्रों ने डिजिटल मार्केटिंग और सतत कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण, विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार, कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण व ज्ञान, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण आदि विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये एवं सफलतापूर्वक मंथन किया।

संगोष्ठी में यह अवॉर्ड दिए गए

- डॉ. केएस सिंह मेमोरियल अवार्ड — डॉ. एमएन सिंह
- डॉ. ओपी दास मेमोरियल अवार्ड — डॉ. पीताम्बर सैन
- डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी अवार्ड — डॉ. डीपी शर्मा
- डा. बलदेव सिंह मेमोरियल अवार्ड — डॉ. हेमा त्रिपाठी
- आइएसईई फैलो अवार्ड — डॉ. एमके झा, डा. जितेन्द्र चौहान, डा. अशोक कुमार, डॉ. पीके वारन, डा. राजीव कुमार सिंह, डा. एसके वशिष्ठ, डा. हरीश वर्मा, डा. नेतू सिंह, डा. बीएस ठाकराल, डा. राकेश सिंह, डा. अजीत सिंह
- बेस्ट क्लीनिक वैज्ञानिक अवार्ड — डा. मनोज त्रिपाठी, डा. ओमपाल सिंह तोमर, डा. इन्दर सिंह, डा. एस. एस. कौशिक, डा. देवेन्द्र स्वरूप, डा. आनन्द कुमार तिवारी, डा. एस. के. तोमर, डा. आरएन जाट, डा. गुरू प्रेम सौरभ, डा. अजीत कुमार सिंह
- युवा वैज्ञानिक अवार्ड — डा. सितारा बालन वी, डा. दीपा राय, डा. एन. मनजुनाथ, डा. वाई. एस. जाडोन, डा. एन. आर. मीणा, डा. ईशा रानी, डा. पूर्के शिनोकनकापुरे, डा. राम सिंह, डा. जोगल सिंह, डा. पंकज कुमार, डा. वन्दना वर्मा

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 23.11.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-6

एचएयू में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

भैंस अनुसंधान केंद्र की डॉ. हेमा को मिला डॉ. वाईपी सिंह मेमोरियल अवॉर्ड

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि आरएयू, पूसा बिहार के पूर्व कुलपति एवं आईएसईई के स्थापना सदस्य डॉ. जी त्रिवेदी थे। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा (उत्तर प्रदेश) के कुलपति एवं आईएसईई के अध्यक्ष के डॉ. यूएस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। इस दौरान वैज्ञानिकों को विभिन्न अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि इस संगोष्ठी के माध्यम से देश के कृषि विस्तार विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को नई दिशा व प्रेरणा मिलेगी। उन्हें कृषि क्षेत्र की अच्छी तकनीक को किसानों तक पहुंचाने के लिए मेहनत करनी होगी व उस तकनीक के अपनाने के स्तर को समझने का प्रयास करना होगा। इसके अलावा युवा किसानों को मोबाइल एप, यू-ट्यूब से भी नवीनतम जानकारी लेते रहनी होगी। डॉ. यूएस गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों एवं शोध छात्रों ने डिजिटल रणनीति और सतत कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण, विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार, कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण में प्रगति, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण, आर्थिक समृद्धि के लिए अभिसरण मॉडल, कृषि में उद्यमिता विकास के लिए रणनीतियां, जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, ग्रामीण समुदायों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पहल, डिजिटल मार्केटिंग में चुनौतियां और अवसर, कृषि में लैंगिक मुद्दों के समाधान के लिए तंत्र आदि विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंच पर मौजूद अधिकारी। अमर उजाला

ये अवॉर्ड किए वितरित

डॉ. केएन सिंह मेमोरियल अवॉर्ड : डॉ. एसएन सिंह, ***डॉ. ओपी धामा मेमोरियल अवॉर्ड :*** पीतांबर स्वैन। ***डॉ. जीएस विद्यार्थी अवॉर्ड :*** डॉ. डीडी शर्मा।

प्रो. वाईपी सिंह मेमोरियल अवॉर्ड : डॉ. हेमा त्रिपाठी।

आईएसईई फैलो अवॉर्ड : डॉ. एसके झा, डॉ. जितेन्द्र चौहान, डॉ. अलोक कुमार, डॉ. पीके पहल, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. एसके बडोडिया, डॉ. हरीश वर्मा, डॉ. रीतु सिंह, डॉ. बीएम धनधस, डॉ. सूबे सिंह, डॉ. अजीत सिंह

बेस्ट केवीके वैज्ञानिक अवॉर्ड : डॉ. सर्वेश त्रिपाठी, डॉ. जोगिन्द्र सिंह तोमर, डॉ. ईश्वर सिंह, डॉ. एसएस कौशिक, डॉ. देवेन्द्र स्वरूप, डॉ. आनंद कुमार तिवारी, डॉ. एसके तोमर, डॉ. आरएन जाट, डॉ. गुरु प्रेम ग्रोवर, डॉ. अजीत कुमार सिंह

युवा वैज्ञानिक अवॉर्ड : डॉ. सितारा बालन वी, डॉ. दीपा राय, डॉ. एन मंजूला, डॉ. वाईएम जाटोन, डॉ. एनआर मीणा, डॉ. ईला रानी, डॉ. यूके चिनचोनालपुरे, डॉ. राम सिंह, डॉ. जेएम गिल, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. वन्दना वर्मा

इन्हें दिया जाता है डॉ. वाई सिंह मेमोरियल अवॉर्ड : आईएसईई ने यह अवार्ड वर्ष 2014 में शुरू किया था। डॉ. वाईपी सिंह आईएआरआई नई दिल्ली में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद रहे। इस अवार्ड के तहत एक लाख रुपये की राशि दी जाती है। यह अवार्ड उस एक्सटेंशन टीचर या वैज्ञानिक को दिया जाता है, जिसने टीचिंग, ट्रेनिंग व एक्सटेंशन रिसर्च के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया हो।

इस अवसर पर पूर्व सलाहकार कृषि योजना आयोग डॉ. वीवी सदामते, पूर्व निदेशक विस्तार शिक्षा, यूएएस बंगलुरु, डॉ. वीरभदरिया, निदेशक विस्तार शिक्षा, हकृवि, डॉ. आरएस हुड्डा विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, डॉ. जेएस मलिक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: हरिभूमि
दिनांक: 24.11.2019 पृष्ठ सं.: 13 कॉलम: 2-3

किसान सूचनाओं के लिए यूट्यूब व किसान एप से जुड़ें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

किसानों को कृषि क्षेत्र की नवीनतम जानकारियां लेने के लिए यूट्यूब और किसान मोबाइल एप से जुड़ना होगा। यह बात हकृवि में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर मुख्य अतिथि आरएयू पूसा बिहार के पूर्व कुलपति एवं स्थापना सदस्य आईएसईई डॉ. जी. त्रिवेदी ने कही।

उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से देश के कृषि विस्तार विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों व शोध छात्रों को नई दिशा व प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विस्तार विशेषज्ञों को अपने कायक्षेत्र में काम करते हुए किसानों की जरूरतों को समझते हुए कार्य करना होगा।

किसानों को व्यक्तिगत तौर व सामूहिक स्तर पर कार्य करना होगा। कृषि क्षेत्र की बढ़यिा तकनीकों को किसानों तक पहुचानें के लिए मेहनत करनी होगी व उस तकनीक के अपनाने के स्तर को समझने का प्रयास करना होगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा के कुलपति एवं अध्यक्ष भारतीय विस्तार शिक्षा समिति डॉ. युएस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों, एवं शोध छात्रों ने डिजिटल रणनीति और सत्त कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण, विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार, कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण में प्रगति, प्रोद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण, आर्थिक समृद्धि के लिए अभिसरण मॉडल आदि विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये एवं गंभीरतापूर्वक मंथन किया। इस अवसर पर डॉ. वीवी सदामते, डॉ. वीरभदरिया, डॉ. आरएस हुड्डा, डॉ. जेएस मलिक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 24.11.2019 पृष्ठ सं. 19 कॉलम 5-7

आइसीएआर जेआरएफ की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को बताई बारीकियां

एचएयू में गृह विज्ञान महाविद्यालय के आइसीएआर जेआरटी के कोर्स के समापन अवसर पर उपस्थित छात्राएं व अतिथि गण । ● विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए आइसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित एक माह अवधि का कोर्स सम्पन्न हुआ। इस कोर्स के तहत जेआएफ परीक्षा के पाठयक्रम के अनुसार गृह विज्ञान एवं सामान्य कृषि विज्ञान के समस्त विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। कोर्स के समापन समारोह की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय डा. बिमला ढांडा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जीवन में उच्च शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुये छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ऑफिसर इन-चार्ज स्टूडेंट कैरियर एक्सीलेंस सेंटर, डा. आरके नैनवाल ने छात्राओं को ऊंचे लक्ष्य रखने एवं उनको प्राप्त करने की कोशिश करने के लिये मनोबल बढ़ाया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर

दिनांक 23.11.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-4

जेआरएफ परीक्षा के लिए कार्याशाला संपन्न

हिसार/23 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिये आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित एक माह अवधि का कोर्स सम्पन्न हुआ। इस कोर्स के अन्तर्गत जेआएफ परीक्षा के पाठयक्रम के अनुसार गृह विज्ञान एवं सामान्य कृषि विज्ञान के समस्त विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।कोर्स के समापन समारोह की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय डॉ. बिमला ढान्डा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जीवन में उच्च शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुये छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ऑफिसर इन-चार्ज स्टूडेंट कैरियर एक्सीलैन्स सेन्टर, डॉ. आर.के. नैनवाल ने छात्राओं को ऊंचे लक्ष्य रखने एवं उनको प्राप्त करने की कोशिश करने के लिये मनोबल प्रदान किया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि स्टूडेंट कैरियर एक्सीलेन्स सेन्टर की समस्त गतिविधियां छात्र एवं छात्राओं के लिये हितकारी होती हैं। इस कोर्स की संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि एक महीने के इस कोर्स में 36 छात्राओं ने भाग लिया। इस कोर्स में विभिन्न लेक्चरर आयोजित किए गए जो छात्राओं को आईसीएआर जेआरएफ में चयन के लिए लाभदायक होंगे। सह-निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिये आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम रोज, डॉ. ललिता रानी, राखी दलाल उपस्थित थी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: पाठक पक्ष
दिनांक: 24.11.2019 पृष्ठ सं: 3 कॉलम: 1-3

छात्राओं के लिए आई. सी. ए. आर. जेआरएफ परीक्षा के लिए कोर्स सम्पन्न

हिसार, 24 नवम्बर (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित एक माह अवधि का कोर्स सम्पन्न हुआ। इस कोर्स के अन्तर्गत जेआरएफ परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुसार गृह विज्ञान एवं सामान्य कृषि विज्ञान के समस्त विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। कोर्स के समापन समारोह की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय डॉ. बिमला ढान्डा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंनें जीवन में उच्च शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ऑफिसर इन-चार्ज स्टूडेंट कैरियर एक्सीलैन्स सेन्टर, डॉ. आर.के. नैनवाल ने छात्राओं को ऊंचे लक्ष्य रखने एवं उनको प्राप्त करने की कोशिश करने के लिये मनोबल प्रदान किया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि स्टूडेंट कैरियर एक्सीलैन्स सेन्टर की समस्त गतिविधियां छात्र एवं छात्राओं के लिए हितकारी होती है। इस कोर्स की संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि एक महीने के इस कोर्स में 36 छात्राओं ने भाग लिया। इस कोर्स में विभिन्न लैक्चर आयोजित किए गए जो छात्राओं को आईसीएआर जेआरएफ में चयन के लिए लाभदायक होंगे। सह-निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने काउंसलिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम रोज, व डॉ. ललिता रानी, राखी दलाल, उपस्थित थी।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 23.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-3

एचएयू में आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित कोर्स हुआ संपन्न

एक महीने के इस कोर्स में 36 छात्राओं ने भाग लिया

हिसार। मुख्य अतिथि प्रतिभागी छात्राओं के साथ।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिए आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित एक माह अवधि का कोर्स सम्पन्न हुआ। इस कोर्स के अन्तर्गत जेआरएफ परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुसार गृह विज्ञान एवं सामान्य कृषि विज्ञान के समस्त विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय डॉ. विमला ढान्डा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जीवन में उच्च शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुये छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर ऑफिसर इन-चार्ज स्टूडेंट कैरियर एक्सीलैन्स सेन्टर, डॉ. आर.के. नैनवाल ने छात्राओं को ऊंचे लक्ष्य रखने एवं उनको प्राप्त करने की कोशिश करने के लिये मनोबल प्रदान किया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि स्टूडेंट कैरियर एक्सीलैन्स सेन्टर की समस्त गतिविधियां छात्र एवं छात्राओं के लिये हितकारी होती हैं।

इस कोर्स की संयोजिका व वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की वैज्ञानिक डॉ. निशा आर्य ने बताया कि एक महीने के इस कोर्स में 36 छात्राओं ने भाग लिया। इस कोर्स में विभिन्न लैक्चर आयोजित किए गए, जो छात्राओं को आईसीएआर जेआरएफ में चयन के लिए लाभदायक होंगे। सह-निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिये आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम रोज़ व डॉ. नीलिमा गर्ग, सर्वी दलाल उपस्थित थीं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 24.11.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 5

आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए एक माह का कोर्स संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के लिये आईसीएआर जेआरएफ परीक्षा के लिए आयोजित एक माह अवधि का कोर्स सम्पन्न हुआ। इस कोर्स के अंतर्गत जेआरएफ परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुसार गृह विज्ञान एवं सामान्य कृषि विज्ञान के समस्त विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। कोर्स के समापन समारोह की मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान महाविद्यालय डॉ. बिमला ढांडा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जीवन में उच्च शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।